हिंदी व्याकरण (Hindi Grammar) और **हिंदी साहित्य (Hindi Sahity)** सीखने के लिए यह सबसे बेहतरीन वेबसाइट है! **https://thehindipage.com/**

स्वागत है आपका हिंदी व्याकरण और साहित्य के विशेष जगत में! यहां आपको **संज्ञा (Sangya)**, **सर्वनाम (Sarvnam)**, **क्रिया (Kriya)**, **विशेषण (Visheshan)**, और **पर्यायवाची शब्द (Paryayvachi Shabd in Hindi)** जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिक जानकारी मिलती है। हमारा उद्देश्य है हिंदी भाषा की सुंदरता और समृद्धि को आप तक पहुंचाना और आपके ज्ञान को और बढ़ावा देना।

आप यहां **संज्ञा (Sangya)** के विविध प्रकारों के बारे में जान सकते हैं, **सर्वनाम (Sarvnam)** का उचित प्रयोग सीख सकते हैं, और **क्रिया (Kriya)** की प्रकार और रूपों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इसी के साथ, **विशेषण (Visheshan)** के प्रयोग और **पर्यायवाची शब्द (Paryayvachi Shabd in Hindi)** के महत्व को भी समझ सकते हैं। हमारे आर्टिकल्स और ट्यूटोरियल्स आपको **हिंदी व्याकरण (Hindi Vyakaran)** की कठिनाइयों को आसानी से समझने और उपयोग करने में मदद करेंगे।

यहाँ आपको **काव्य (Poetry), लेखकों और कवियों का जीवन परिचय (Writers & Poets Biography), परीक्षाओं के लिए हिंदी नोट्स (Hindi Notes for Exams) और अध्ययन सामग्री** मिलेगी। अगर आप **हिंदी सीखना (Learn Hindi) या पढ़ाना (Teach Hindi)** चाहते हैं, तो यहाँ आपको पूरी जानकारी मिलेगी!

पढ़ाई के इस सफर में हमारा साथ दीजिये और अपने हिंदी ज्ञान को नई ऊंचाइयों पर ले जाइये। हिंदी व्याकरण और साहित्य की सुंदरता का आनंद उठाइये और अपने भाषा ज्ञान को और मजबूत बनाइये।

आदिकाल की प्रमुख पंक्तियाँ

1. "नाद न बिंदु न रवि न शशि मंडल, चिअराअ सहावै मूक्ल"— **सरहपा**
2. "पंडिअ सअल सत्त बक्खाणई। देहहि बुद्ध बसंत न जाणइ"— **सरहपा**
3. "भल्ला हुआ जू मारिया बहिणि महारा कंत
   लज्जेजं तु वयंसिअहु जड़ भग्गा घरु एतु"— **हेमचंद्र**
4. "बारह बरस लौ कूकर जीवै, अरु तेरह लौं जियै सियार ।
   बरस अठारह क्षत्रिय जीवें, आगे जीवन का धिक्कार"— **जगनिक**
5. "मनहु कला ससिभान..... । कुहिल केस सुदेस....।"— **चंदबरदायी**
6. "प्रिय प्रिथिराज नरेस जोग.....। बज्जिय घोर निसान .....।"—**चंदबरदायी**
7. "बुरासान मुलतान खंधार मीर.....दिक्खंत दिट्ठि उच्चारिय।"—**चंदबरदायी**
8. "कामिनी करेए सनाने, हरे तहि हृदय हनए पंचबाने।"— **विद्यापति**
9. "जनम अवधि हम रूप निहारल नयन न तिरपति भेल।"— **विद्यापति**
10. "माधव हम परिनाम निरासा"— **विद्यापति**
11. "जोइ-जोइ पिण्डे सोइ ब्रह्माण्डे"— **गोरखनाथ**
12. "पुस्तक जल्हण हाथ दै चलि गज्जन नृपकाज"— **चंदबरदायी**

thehindipage.com

13. "गोरी सोवे सेज पर मुख पर डारे केस।
चल खुसरो घर आपने रैन भइ चहुँ देश"— **अमीर खुसरो** (गुरु निजामुद्दीन औलिया की मृत्यु पर)
https://thehindipage.com/
14. "गोरख जगायो जोग, भक्ति भगायो लोग"— **तुलसीदास**
15. "नौलख पातरि आगे नाचे पीछे सहज अखाड़ा"— **गोरखनाथ**
16. "देसिल बयना सब जन मिट्ठा।"—**विद्यापति**
17. "काआ तरुवर पंच विडाल"— **लुइपा**
18. "जो जिण सासण भाषि यउ सो भइ कहियड सारु....सो सरि पावइ पारु।" — **देवसेन**
19. "मेरा जोबना नवेलरा भयो है गुलाल।"— **अमीर खुसरो**
20. "इणि पर कोइलि कूजइ, पूंजइ युवति मणोर।
विधुर वियोगिनि धूजई, कूजइ मयण किसोर"— **बसंत विलास**
21. "नोलख पातरि आगे नाचे, पीछे सहज अखाड़ा।"— **गोरखनाथ**
22. "ऐसे मन ले जोगी खेले, तब अंतरि बसे भंडारा।"— **गोरखनाथ**
23. "अंजन माहि निरंजन भेट्या, तिलमुख भेटया तेल।
मूरत माहि अमूरत परस्या भया निरंतर खेल।"— **गोरखनाथ**
24. "हम्मीर कज्ज जज्जल भणइ फोहानल यह मइ जलउ।
सुलितान सीस करवाल दह तज्जि कलेवर दिअचलेउ।"— **शार्ङ्गधर**
25. "संदेसा पिन साहिबा, पाछो फिरिय न देह।
पंछी घाल्या पिंज्जरे, छूटण रो सन्देह।"— **दलपति विजय**
26. "सोरठियो दूहा भलो, भली मरवण री बात।
जोबन छाई धण भली, तारां छायी रात।"— **ढोला मारू रा दूहा**
https://thehindipage.com/
27. "चू मन तूतिए-हिन्दुम, अर रास्त पुर्सी।
जे मन हिन्दुई पुर्ख, ता नाज गोयम।"— **अमीर खुसरो** (इसका अर्थ यह है— मैं हिंदुस्तान की तूती हूँ, अगर तुम वास्तव में मुझसे कुछ पूछना चाहते हो तो हिन्दवी में पूछो जिसमें मैं कुछ अद्भुत बातें बता सकूँ।)

thehindipage.com